सैमसंग ने भारत में लॉन्च की गैलेक्सी एस26 सीरीज

भारत में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध, इसकी शुरुआती कीमत 87,999 रुपए

गुरुग्राम, 26 फरवरी. टेक दिग्गज सैमसंग ने गुरुवार को घोषणा की कि उसकी फ्लैगशिप गैलेक्सी एस26 सीरीज अब भारत में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है. इसकी शुरुआती कीमत 87,999 रुपए है, जबकि टॉप मॉडल गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा की कीमत 1,89,999 रुपए तक जाती है.

गैलेक्सी एस26 सीरीज में गैलेक्सी एस26, गैलेक्सी एस26+ और गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा शामिल हैं. कंपनी का कहना है कि यह नई सीरीज अब तक का सबसे उन्नत 'एजेंटिक एआई' मोबाइल अनुभव प्रदान करती है, जो रोजमर्रा के कामों को आसान और समझदार बनाती है. इन स्मार्टफोन्स का उद्देश्य शेड्यूल मैनेज करना, जानकारी खोजना, कंटेंट कैप्चर करना और फोटो-वीडियो एडिट करने जैसे कामों को कम मेहनत में पूरा करना है. गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा की कीमत 12 जीबी + 256 जीबी वेरिएंट के लिए 1,39,999 रुपए है, जबकि 12 जीबी + 512 जीबी मॉडल की कीमत 1,59,999 रुपए है. वहीं, 16 जीबी + 1 टीबी वेरिएंट 1,89,999 रुपए में मिलेगा.

गैलेक्सी एस26+ की कीमत 12 जीबी + 256 जीबी वेरिएंट के लिए 1,19,999 रुपए से शुरू होती है, जबकि 12 जीबी + 512 जीबी मॉडल 1,39,999 रुपए में उपलब्ध होगा. गैलेक्सी एस26 की कीमत 12 जीबी + 256 जीबी वेरिएंट के लिए 87,999 रुपए है, जबकि 12 जीबी + 512 जीबी वर्जन 1,07,999 रुपए में मिलेगा.

> गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा में कंपनी ने दावा किया है कि यह मोबाइल फोन में इंडस्ट्री का पहला इन-बिल्ट प्राइवेसी डिस्प्ले लेकर आया है, जो साइड एंगल से स्क्रीन की दृश्यता कम करके यूजर डेटा की सुरक्षा करता है. इस डिवाइस में गैलेक्सी के लिए कस्टमाइज्ड स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 मोबाइल प्लेटफॉर्म प्रोसेसर दिया गया है, जो सीपीयू, जीपीयू और एनपीयू की बेहतर परफॉर्मेंस के साथ स्मूद मल्टीटास्किंग और मजबूत ऑन-डिवाइस एआई क्षमता प्रदान करता है.

इंडिगो 29 मार्च से नवी मुंबई-भावनगर के बीच शुरू करेगी उड़ान

नयी दिल्ली, 26 फरवरी (वार्ता) निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने 29 मार्च से महाराष्ट्र के नवी मुंबई और गुजरात के भावनगर के बीच उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है. एयरलाइंस ने बुधवार को बताया कि दोनों शहरों के बीच दो दैनिक उड़ानें होंगी. इस मार्ग पर वह एटीआर विमानों का परिचालन करेगी. नवी मुंबई से पहली उड़ान 6ई 7021 सुबह सात बजे रवाना होगी और 8.15 बजे भावनगर पहुंचेगी. वापसी की उड़ान 6ई 7022 सुबह 8.35 बजे भावनगर से चलकर 9.35 बजे नवी मुंबई उतरेगी. शाम 7.25 बजे 6ई 7081 नवी मुंबई से उड़ान भरकर रात 8.30 बजे भावनगर पहुंचेगी. वापसी में 6ई 7082 रात 8.50 बजे भावनगर से चलकर रात 9.55 बजे नवी मुंबई आयेगी.

दूरसंचार कंपनियों का राजस्व 34 अरब डॉलर

नयी दिल्ली, 26 फरवरी (वार्ता) चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घरेलू दूरसंचार कंपनियों का राजस्व साल-दर-साल आठ प्रतिशत बढ़कर 34 अरब डॉलर (लगभग तीन लाख करोड़ रुपये) के पार पहुंच गया.

पूंजी बाजार एवं निवेश समूह सीएलएसए की एक रिपोर्ट में भारतीय दूरसंचार प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों के हवाले से कहा गया है कि तिमाही के दौरान भारती एयरटेल का राजस्व सालाना आधार पर नौ प्रतिशत और वोडाफोन आइडिया का दो प्रतिशत बढ़ा. रिलायंस जियो के राजस्व में 11 प्रतिशत की सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी. देश के दूरसंचार क्षेत्र के कुल राजस्व में इन तीनों कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी 95 प्रतिशत रही.

एक साल पहले के मुकाबले रिलायंस जियो की राजस्व हिस्सेदारी सबसे अधिक 123 आधार अंक (1.23 प्रतिशत) बढ़कर 42.5 प्रतिशत हो गयी. एयरटेल की राजस्व हिस्सेदारी (39 आधार अंक) बढ़कर 39.5 प्रतिशत पर पहुंच गयी जबकि वोडाफोन आइडिया की हिस्सेदारी 83 आधार अंक घटकर 13.फीसदी रह गयी.

रिपोर्ट में कहा गया है कि दूरसंचार क्षेत्र में रिलायंस जियो और एयरटेल का वर्चस्व आने वाले समय में और बढ़ेगा. क्षेत्र का राजस्व साल 2028 तक 3.7 लाख करोड़ रुपये (42 अरब डॉलर) पर पहुंचने की संभावना है. मौजूदा समय में जियो और एयरटेल की साझा राजस्व हिस्सेदारी करीब 82 प्रतिशत है जिसके साल 2028 तक 85 प्रतिशत पर पहुंचने की उम्मीद है.

भारत में सीमा शुल्क व्यवस्था में सुधार के उपायों पर प्रस्तुति

नयी दिल्ली, 26 फरवरी (वार्ता) भारत सरकार ने अपनी सीमा शुल्क व्यवस्था को कारोबारियों के लिये अधिक सुविधाजनक और प्रौद्योगिकी के अनुसार अद्यतन रखने की दिशा में किये गये उपायों को जिनेवा में विश्व व्यापार संगठन के मुख्यालय पर प्रस्तुत किया है.

वित्त मंत्रालय द्वारा बुधवार को दी गयी जानकारी के अनुसार मंत्रालय में विशेष विशेष सचिव और सदस्य (सीमा शुल्क) सुरजीत भुजबल ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर जिनेवा में डब्ल्यूटीओ की व्यापार सुविधा समिति की बैठक के मौके पर अलग से आयोजित एक कार्यक्रम में भारत में व्यापार सुविधा की पहलों की जानकारी दी.

डब्ल्यूटीओ में भारत के स्थायी प्रतिनिधि कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में स्थायी प्रतिनिधि राजदूत सी. सेंथिल पांडियान भी उपस्थित थे. सीबीआईसी द्वारा आयोजित इस सत्र में बताया गया कि कैसे भारत में डिजिटलीकरण से हुए कायाकल्प ने देश की सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को भविष्य की सोच के साथ कुशल और दूसरी प्रणालियों के साथ मिल कर सहज रूप से काम करने की ज़रूरतों के हिसाब से

> वित्त मंत्रालय के अनुसार इस बैठक में हिस्सा लेने वाले विभिन्न सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने इस क्षेत्र में सर्वोत्तम परिपाटियों, तकनीकी विशेषज्ञता और डिजिटल समाधानों को साझा करने के मकसद से भारत की इस पहल को खूब सराहा है. भारत ने राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर और नार्कोटिक्स अकादमी (एनएसीआइएन) की अत्याधुनिक अवसंरचना सुविधा और सीबीआईसी के अंतर्गत केंद्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला (सीआरसीएल) की वैश्विक क्षमता निर्माण की पहल को सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के आधुनिक प्रशिक्षण और संस्थागत उत्कृष्टता के आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया.

एसबीआई लाइफ ने पेश किया 'जॉली और पॉली' : सपनों और जिम्मेदारियों का सही संतुलन

आज का भारत सपने भी देखता है और अपनों का ख्याल भी रखता है. करियर बदलना हो, कुछ नया शुरू करना हो या बच्चों के सपनों को सहारा देना हो, हर फैसला अब सिर्फ जोश से नहीं, समझदारी से भी लिया जाता है। इसी सोच को ध्यान में रखते हुए एसबीआई लाइफ ने अपना नया ब्रांड कैंपेन 'जॉली एंड पॉली' शुरू किया है, जो बताता है कि जब परिवार सुरक्षित हो, तो इंसान और ज्यादा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकता है. इस कैंपेन में दो खास चेहरे शामिल हैं- क्रिकेट स्टार ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा। कैंपेन के बारे में, एसबीआई लाइफ के चीफ, ब्रांड, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस एवं सीएसआर रवीन्द्र शर्मा से हुई विस्तार से बातचीत के अंश यहाँ प्रस्तुत हैं, जिनमें उन्होंने इस सोच, इन दोनों चेहरों की भूमिका और ब्रांड के आगे के विज़न पर खुलकर बात की है.

एसबीआई लाइफ के नए ब्रांड कैंपेन/टीवी विज्ञापन के पीछे क्या विचार है?

भारत में तेजी से बदलाव आ रहा है, जहाँ हर उम्र और हर इलाके के लोगों की आकांक्षाएँ बढ़ रही हैं। साथ ही, परिवार के प्रति जिम्मेदारियाँ जीवन के बड़े फैसलों में हमेशा मार्गदर्शन करती रहती हैं. एसबीआई लाइफके नए ब्रांड कैंपेन का उद्देश्य इसी बुनियादी जानकारी पर आधारित है कि जब प्रियजनों से किए गए वादों की सुरक्षा हो, तभी व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षाओं को बिना किसी समझौते के आगे बढ़ा पाता है. नया टीवी विज्ञापन इस विचार को साकार करते हुए दिखाता है कि वित्तीय सुरक्षा कैसे लोगों को बिना डर के सपने देखने और उन्हें पूरा करने की ताकत देती है. चाहे नई करियर दिशा चुनना हो, बच्चे की महत्वाकांक्षा को सपोर्ट करना हो या खुद कुछ नया बनाना हो, कैंपेन में बताया गया है कि जब अपनों के लिए भविष्य सुरक्षित हो, तो व्यक्तिबोल्डकदम उठा सकता है. यह सोच एसबीआई लाइफ की मूल फिलॉसफी 'अपने लिए, अपनों के लिए' से पूरी तरह जुड़ी हुई है. यह बताती है कि लाइफ इंश्योरेंस सिर्फ एक फाइनेंशियल प्रोडक्ट नहीं, बल्कि जीवन के फैसलों को आसान बनाने वाला साथी है.

एसबीआई लाइफ ने ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर क्यों चुना, जॉली और पॉली किसका प्रतिनिधित्व करते हैं?

आज के भारत में लोग बहुत महत्वाकांक्षी, आत्मविश्वासी और सार्थक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए तैयार हैं. लेकिन, साथ ही वे परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी बहुत गंभीरता से लेते हैं. एसबीआई लाइफ ने इसी बदलती सोच को आधार बनाकर अपने पहले ब्रांड एंबेसडर चुने हैं. क्रिकेट स्टार्स ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा इन दो अलग-अलग लेकिन पूरक दृष्टिकोणों को पूरी तरह से दर्शाते हैं, जो लोगों के जीवन के फैसलों को प्रभावित करते हैं. जॉली और पॉली पारंपरिक सेलिब्रिटी एंडोर्सर नहीं हैं, बल्कि दो अलग-अलग एप्रोचके प्रतीक हैं, जो कि जिंदगी के निर्णय लेने में इंसान की मदद करती है. 'जॉली एंड पॉली' भारतीय घरों में होने वाली आंतरिक बातचीत को दर्शाते हैं, आगे बढ़ने की इच्छा और अपनों की देखभाल की जिम्मेदारी के बीच का संतुलन. वे दिखाते हैं कि लाइफ इंश्योरेंस के ज़रिए मिलने वाली सुरक्षा व्यक्ति को सशक्त बनाती है, जिससे आशावाद बढ़ता है और जीवन में आगे बढ़ना आसान हो जाता है. 'जॉली' (जिसे ऋषभ पंत ने निभाया है) बहुत जोश,आशावाद और पूरे दिल से जीने की हिम्मत दिखाता है. प्लानिंग करना आजादी छोड़ना नहीं है,बल्कि अपनी आजादी की रक्षा करना और सपनों को पूरा करना है. 'पॉली' (जिसे रविंद्र जडेजा ने निभाया है) शांत, भरोसेमंद और आगे की सोच वाला है. वो बातचीत को बहुत आराम से और साफ-साफ चलाता है. वो कहता है कि पहले से तैयार रहना एक जिम्मेदारी है, जो तुम्हारे अपने सपनों को भी पूरा करने में मदद करती है और परिवार को भी सुरक्षित रखती है.

यह कैंपेन युवा ऑडियंस से कैसे जुड़ता है?

आज का युवा बहुत महत्वाकांक्षी, जागरूक और स्वतंत्र फैसले लेने के लिए उत्सुक है. लेकिन, साथ ही वह परिवार, वित्तीय स्थिरता और लंबे समय की सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी अच्छी तरह समझता है. एसबीआई लाइफ का यह कैंपेन ठीक इसी सोच से जुड़ता है. कैंपेन में दिखाए गए सीन भारतीय घरों की आम स्थितियाँ हैं, जैसे- करियर में बदलाव,अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करनाया ऐसे फैसले, जो हिम्मत और सावधानी दोनों की माँग करते हैं. यहाँ कोई फाइनेंशियल जार्गन या तकनीकी भाषा नहीं है. बल्कि कहानी बताती है कि अपनों की सुरक्षा होने पर चुपचाप आत्मविश्वास मिलता है, जिससे युवा बिना किसी डर या समझौते के अपने पैशन को पूरा कर पाते हैं. खासकर पहली बार पॉलिसी लेने वाले युवाओं के लिए मैसेज बहुत स्पष्ट है: जल्दी प्लानिंग करना आजादी छीनना नहीं, बल्कि उसे मजबूत बनाना है.

एसबीआई लाइफ का भविष्य में ब्रांड फोकस क्या रहेगा?

आगे चलकर एसबीआई लाइफ का ब्रांड फोकस यह रहेगा कि वह लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करे. ब्रांड बार-बार यह संदेश देगा कि वित्तीय सुरक्षा मिलने पर व्यक्ति जीवन को पूरे आत्मविश्वास के साथ जी सकता है. लाइफ इंश्योरेंस को सिर्फ जरूरी चीज़ नहीं, बल्कि एकप्रोएक्टिव चॉइसके रूप में पेश किया जाएगा, जो आजादी और संभावनाओं को खोलती है. कुल मिलाकर, एक बार में एक व्यक्ति और एक परिवार की प्रगति को बढ़ावा देकर हम भारत काएस्पिरेशन इंजनबनना चाहते हैं.

चांदी में बड़ी गिरावट, सोना भी फिसला

नई दिल्ली, 26 फरवरी. सोना-चांदी की कीमतों से लेकर शेयर बाजार के दोनों इंडेक्स सेंसेक्स-निफ्टी में गुरुवार को ओपनिंग के साथ ही सुस्ती देखने को मिल रही है. बीते कारोबारी दिन तक तेज रफ्तार से भागती नजर आ रही चांदी, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर खुलने के साथ ही अचानक 5000 रुपये प्रति किलो से ज्यादा सस्ती हो गई, तो वहीं सोने का भाव भी धड़ाम

नजर आया.

दूसरी ओर सेंसेक्स-निफ्टी की चाल बदली-बदली नजर आई, दोनों जोरदार तेजी के साथ खुले, लेकिन मिनटों में ये रफ्तार धीमी पड़ गई और रेड जोन में आ गए. कमोडिटी मार्केट में गुरुवार को सुस्ती देखने को मिल रही है. चांदी की अगर बात करें, तो स्पॉट सिल्वर अपने पिछले बंद भाव 2,78,364 रुपये प्रति किलोग्राम की तुलना में ओपनिंग के साथ ही टूटकर 2,72,560 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया. वहीं इस गिरावट के बाद अपने 29 जनवरी के हाई 4,20,048 रुपये से चांदी अभी भी 1,47,488 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती मिल रही है.

किफायती फूड ऐप 'टोइंग' का दिल्ली-एनसीआर में प्रवेश

नयी दिल्ली. किफायती फूड डिलिवरी ऐप टोइंग ने दिल्ली-एनसीआर में विस्तार की घोषणा की है. कंपनी ने गुरुवार को बताया कि अब टोइंग दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद के ग्राहकों के लिए भी उपलब्ध होगा. यह पुणे, आगरा, वडोदरा, गुवाहाटी, नासिक और नागपुर में पहले से उपलब्ध है. कंपनी अपने ऐप पर खाद्य पदार्थों की सबसे कम कीमतों का दावा करती है.

भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद

मुंबई, 26 फरवरी. भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में सपाट बंद हुआ. दिन के अंत में सेंसेक्स 27.46 अंक की मामूली गिरावट के साथ 82,248.61 और निफ्टी 14 .05 अंक की मामूली तेजी के साथ 25,496.55 पर बंद हुआ.

बाजार को संभालने का काम डिफेंस और हेल्थकेयर शेयरों ने किया. निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.48 प्रतिशत और निफ्टी हेल्थकेयर 1.24 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ. इसके अलावा, निफ्टी फार्मा 1.08 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.95 प्रतिशत, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.87 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 0.80 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 0.78 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 0.39 प्रतिशत और निफ्टी इन्फ्रा 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ.

समाचार विशेष

अखिलेश यादव का सीक्रेट मिशन

'गणेश परिक्रमा' करने वाले नेताओं की अब खैर नहीं

लखनऊ. मिशन 2027 को लेकर उत्तर प्रदेश में राजनैतिक पारा अभी से चढ़ने लगा है. सभी सियासी पार्टियां चुनाव जीतने के लिए स्ट्रैटेजी बनाने में लगी हुई हैं. समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी एक सीक्रेट मिशन की शुरुआत की है. जिसमें पार्टी वर्कर्स की एक्टिविटीज़ को डॉक्यूमेंट करने वाली एक खास लिस्ट बनाई गई है.

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक लिस्ट बनाने का निर्देश दिया है, जिसमें ऐसे नेता और वर्कर्स शामिल हैं जो अक्सर पार्टी ऑफिस के आस-पास घूमते हुए देखे जाते हैं और जो अपना ज्यादातर समय सिर्फ अपनी मौजूदगी दर्ज कराने में बिताते हैं, न कि जमीनी लेवल पर सपा को मजबूत करने के लिए काम करते हैं.

नेताओं की एक्टिविटी ट्रैकिंग कर रही सपा- सपा ने ऐसे नेताओं की एक पूरी लिस्ट बनाई है, जिसमें उनकी तस्वीरें और फोन नंबर के साथ-साथ यह जानकारी भी है कि हर वर्कर कितनी बार पार्टी ऑफिस गया, कितनी बार हाथ मिलाया और जमीन पर कैसे काम कर रहा है. ताकि आने वाले चुनावों में सिर्फ वही नेता टिकट पा सकें जो जमीन पर लोगों के बीच रहकर पार्टी को मजबूत कर रहे हैं.

किन नेताओं को नहीं मिलेगा टिकट?- सपा की इस स्ट्रैटेजी को 'गणेश परिक्रमा' रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है. सपा अध्यक्ष साफ तौर पर इस डेटा का इस्तेमाल फील्ड और ऑफिस के बीच फर्क करने के लिए करना चाहते हैं.

> **2027 में काम आएगी अखिलेश की यह रणनीति?**
>
> इस लिस्ट से उन नेताओं के नाम बाहर हो जाएंगे जो अपना समय गैर-जरूरी कामों में लगा रहे हैं. इससे साफ पता चलता है कि अखिलेश यादव इस बार उम्मीदवारों के चुनाव में कोई लापरवाही करने के मूड में नहीं हैं. चुनाव में उन उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी जो सबके साथ के बजाय सबके काम और कमिटमेंट के साथ काम कर रहे हैं. अब देखना दिलचस्प होगा कि चुनाव में अखिलेश यादव की रणनीति कितना कामयाब होती है?

उद्धव की पार्टी की एक सीट का पेंच

मुंबई. ऐसा लग रहा है कि महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन यानी महाविकास अघाड़ी को राज्यसभा की जो एक सीट मिलेगी वह उद्धव ठाकरे की शिव सेना के खाते में जाएगी. पार्टी की ओर से इस बारे में बहुत साफ शब्दों में दोनों गठबंधन सहयोगियों को बता दिया गया है.

उद्धव ठाकरे की शिव सेना के नेता संजय राउत ने कहा कि राज्यसभा की एक सीट पर उनकी पार्टी का अधिकार है. ध्यान रहे उनकी पार्टी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है. जानकार सूत्रों का कहनी है कि संजय राउत नहीं चाहते हैं कि इस बार सीट उद्धव ठाकरे की पार्टी ले. इसका कारण यह है कि अगर इस बार सीट कांग्रेस या शरद पवार की पार्टी को दे दिया जाए तो अगली बार यानी 2028 में उद्धव की पार्टी का दावा बनेगा. ध्यान रहे 2028 में ही संजय राउत का कार्यकाल पूरा हो रहा है. अगर इस बार सीट उद्धव की पार्टी ने ले ली तो अगली बार उसका दावा नहीं रह जाएगा और एक बार संजय राउत सिस्टम से बाहर हुए तो वापसी मुश्किल होगी. बहरहाल, उद्धव की पार्टी के दोनों सहयोगी पार्टियों के तीन सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है.

राज्यसभा चुनाव में लालू करेंगे ओवैसी का शिकार

पटना. राष्ट्रीय जनता दल के विधायक भाई वीरेंद्र ने लालू प्रसाद यादव और पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव से बिहार की पांचवीं राज्यसभा सीट के लिए पूर्व सांसद शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब को कैंडिडेट बनाने की मांग की है.

वीरेंद्र ने कहा कि हिना को मैदान में उतारने से एक तीर से कई निशाने लगेंगे. राजद असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम के पांच विधायक और मायावती की बसपा के एक विधायक के सपोर्ट के बिना एक भी सीट नहीं जीत सकती. ऐसे में, लालू प्रसाद यादव के बहुत करीबी विधायक भाई वीरेंद्र का खुले तौर पर हिना शहाब का नाम लेना यह दिखाता है कि पार्टी लीडरशिप हिना शहाब को मैदान में उतारने के संभावित विरोध और राजनीतिक असर का अंदाज़ा लगाने की कोशिश कर रही है.

तेजस्वी के करीबी ने बताया मास्टरप्लान- सोमवार को बिहार विधानसभा परिसर में रिपोर्टरों से बात करते हुए भाई वीरेंद्र ने मांग की कि हिना शहाब को महागठबंधन का राज्यसभा कैंडिडेट बनाया जाए. हालांकि, भाई वीरेंद्र ने कहा कि यह उनकी पर्सनल राय है कि पार्टी को हिना शहाब को अपना कैंडिडेट बनाना चाहिए, लेकिन राजद को असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का भी सपोर्ट मिलेगा. भाई वीरेंद्र ने यह भी दावा किया कि हिना शहाब के नाम से क्रॉस-वोटिंग के ज़रिए सत्ताधारी नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस से कुछ वोट महागठबंधन को मिल जाएंगे. उन्होंने कहा कि विपक्ष को एक सीट का फ़ायदा होगा. वीरेंद्र ने आगे कहा कि अगर किसी मुस्लिम और वह भी हिना शहाब को राज्यसभा कैंडिडेट बनाया जाता है तो वे एक तीर से कई निशाने लगाएंगे और सब कुछ हो जाएगा.

> **बिहार से खत्म हो रहा किसका कार्यकाल?**
>
> जनता दल यूनाइटेड के राज्य सभा सदस्य हरिवंश और रामनाथ ठाकुर, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा, राजद के प्रेमचंद गुप्ता और एडी सिंह का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है. चुनाव आयोग ने इन पांच सीटों पर उम्मीदवारों की संख्या पांच से ज्यादा होने पर वोटिंग की तारीख 16 मार्च तय की है. 243 सदस्यों वाली बिहार विधानसभा में पांच सीटों पर चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार को जीतने के लिए 41 विधायकों का समर्थन चाहिए.

विशेष | चुनाव से पहले ऐलान, क्या चलेगा दांव?

शशिकला ने बनाई नई पार्टी

चेन्नई/रामनाथपुरम. तमिलनाडु की राजनीति में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले खेला हो गया. पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की सबसे करीबी और कभी राज्य की सत्ता का रिमोट कंट्रोल कहलाने वाली वीके शशिकला ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी का ऐलान कर दिया है.

लंबे समय तक शांत रहने के बाद, शशिकला ने जयललिता की 78वीं जयंती के मौके पर रामनाथपुरम में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इस नई 'द्रविड़ियन पार्टी' की घोषणा की. 'चिन्नम्मा' के नाम से मशहूर शशिकला का यह कदम एआईएडीएमके के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती माना जा रहा है.

अपने समर्थकों के बीच पार्टी का ऐलान करते हुए शशिकला ने कहा, हम जयललिता के सपनों को पूरा करेंगे. उन्होंने मंच से ही अपनी नई पार्टी का झंडा लॉन्च किया. इस झंडे में मुख्य रूप से तीन रंग हैं, काला, सफेद और लाल. झंडे के बीच में द्रविड़ राजनीति के तीन सबसे बड़े दिग्गजों पेरियार अन्ना, एमजी रामचंद्रन और जयललिता की तस्वीरें छपी हैं. शशिकला ने अभी पार्टी के नाम का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया है कि वह जल्द ही नाम की घोषणा करेंगी और अब उनके फैसले में कोई बदलाव नहीं होगा.

क्या बताया एजेंडा- शशिकला ने भारी भीड़ के सामने कहा, अगर मैं पिछले 9 सालों की तरह अब भी चुप रही, तो यह तमिलनाडु की जनता के साथ धोखा होगा. हमारी पार्टी गरीबों और आम लोगों के लिए काम करेगी. हम दुश्मनों और गद्दारों को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे.

शशिकला के निशाने पर सबसे ज्यादा उनकी पुरानी पार्टी और उसके वर्तमान महासचिव ई.के. पलानीस्वामी रहे. उन्होंने बिना नाम लिए पलानीस्वामी पर गद्दारी के बेहद गंभीर आरोप लगाए. शशिकला ने कहा, हमने जल्दबाजी में उसे (पलानीस्वामी) मुख्यमंत्री चुना था. मैं उसका नाम तक अपनी जुबान पर नहीं लाना चाहती. अगर वह अच्छा इंसान होता, तो मैं नाम लेती. मैंने ही उसे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाया था, लेकिन मुझे क्या पता था कि वह ऐसा निकलेगा? जिस इंसान को मैंने सीएम बनाया, उसी ने मुझे पार्टी से निकालने का प्रस्ताव पास कर दिया.

> **क्या चलेगा शशिकला का दांव?**
>
> तमिलनाडु में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. शशिकला की यह नई एंट्री राज्य की राजनीति में एक दिलचस्प मल्टी-कॉर्नर फाइट तय कर रही है. शशिकला को अब एक साथ कई मोर्चों पर लड़ना होगा. मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अपने मजबूत 'द्रविड़ियन मॉडल 2.0' के साथ मैदान में हैं. शशिकला को सीधे तौर पर पलानीस्वामी की एआईडीएमके से टकराना होगा, जो हाल ही में बीजेपी के साथ फिर से गठबंधन में आई है. इसके अलावा तमिल सिनेमा के सुपरस्टार विजय ने भी अपनी पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' बनाकर युवाओं के बीच जबरदस्त पैठ बना ली है. शशिकला का असली मकसद एआईएडीएमके के उस पारंपरिक वोट बैंक और 'अम्मा' के वफादार कैडर को वापस अपने पाले में लाना है, जो पलानीस्वामी की लगातार हार से निराश है.